यूपी से 75 हजार करोड़ के रेडीमेड कपड़े निर्यात होंगे

लखनऊ, विशेष संवाददाता। सिलेसिलाए वस्त्रों के निर्यात के मामले में यूपी बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है। दो साल में इस सेक्टर में 75 हजार करोड़ रुपये के माल के निर्यात करने की तैयारी है।

इतने वक्त में यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के दायरे में नवीनतम तकनीक व विश्वस्तरीय दी सुविधाओं के साथ नया अपरैल पार्क चालू हो जाएगा, वहीं पूर्वांचल व बुंदेलखंड में भी इसी तरह के पार्क की योजनाएं जल्द दस्तक देने जा रही हैं। यही नहीं लखनऊ का मेगा मित्र टेक्सटाइल पार्क भी रेडीमेड गार्मेंट सेक्टर को बढ़ावा देगा। इन

2026 तक अकेले नोएडा से होगा 60 हजार करोड़ का निर्यात

- वर्तमान समय में अकेले नोएडा में रेडीमेड वस्त्र की चार हजार यूनिट हैं

योजनाओं पर काम शुरू हो गया है।

पिछले साल 2023 में यूपी में अप्रैल से लेकर नवंबर तक 1145.20 मिलियन डालर कीमत के सिलेसिलाए वस्त्रों का निर्यात हुआ। पिछले साल अक्तूबर में 106 .97 मिलियन डालर का निर्यात हुआ जबकि नवंबर में यह बढ़कर 116.98 मिलियन डालर हो गया। इस तरह निर्यात में इन दो महीनों में 8.98 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

नए अपरैल पार्क से मिलेगा तीन लाख लोगों को रोजगार: नोएडा अपरेल एक्सपोर्ट कलस्टर के तहत एक नया अपरैल पार्क यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के तहत बनना है। यह पार्क 175 एकड़ में बनने वाले इस पार्क 91 अपरैल उत्पादन व निर्यात यूनिट स्थापित होंगी। नवीनतम तकनीक व विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं के साथ बनने वाले इस पार्क के जरिए तीन लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां से दस हजार करोड़ का निर्यात होगा। इससे नोएडा रेडीमेड गारमेंटस का इंटरनेशनल हब बनेगा। दो साल में यह चालू हो जाएगा। इससे नोएडा से 45 हजार करोड़ का निर्यात बढ़कर 60 हजार करोड़ हो जाएगा।

रेडीमेड गारमेंट में भारत की वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी महज चार प्रतिशत है जबकि वह सातवां सबसे बड़ा निर्यातक देश है।

यूपी से रेडीमेड गारमेंट का सालाना निर्यात औसतन 2268 यूएस मिलियन डालर है। अकेले नोएडा में सिलेसिलाए वस्त्रों की 4000 यूनिट हैं जिसमें 10000 करोड़ का निवेश है।

इनका कहना है

अपरैल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल दिल्ली के महासचिव मिथलेश्वर ठाकुर के मुताबिक पूरे देश में अपरैल पार्क बनाने की जरूरत है। यह ऐसा सेक्टर है जहां से निर्यात की सबसे ज्यादा संभावनाएं हैं और यहां महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा रोजगार इसी क्षेत्र में है। लखनऊ का पीएम मित्रा पार्क निर्यात के नजरिए से आने वाले दिनों में अहम भूमिका निभा सकता है।